**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं.1563**

**दिनांक 4 मार्च, 2020**

**नई जैव ईंधन नीति**

**1563. श्री के॰ सी॰ रामामूर्तिः**

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार नई जैव ईंधन नीति शुरू करने की प्रक्रिया में है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रस्तावित नीति की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान जैव ईंधन के अनुसंधान और विकास पर सरकारी क्षेत्र के तेल उपक्रमों द्वारा कितनी राशि खर्च की गई है; और

(घ) क्या सरकार की देश के विभिन्न भागों में एथेनॉल संयंत्रों का उपयोग करने की कोई योजना है, ताकि सार्वजनिक परिवहन को नागपुर की तरह जैव ईंधन पर चलाया जा सके जहां 50 बसें 100 प्रतिशत जैर्व ईंधन पर चल रही हैं?

**उत्तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री**

**(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)**

(क) और (ख): सरकार ने दिनांक 04 जून, 2018 को राष्‍ट्रीय जैव-ईंधन नीति–2018 अधिसूचित की है। इस नीति में वर्ष 2030 तक पेट्रोल में 20% एथेनॉल का मिश्रण और डीजल में 5% जैव डीजल का मिश्रण करने का निर्देशात्‍मक लक्ष्‍य हासिल करने की परिकल्‍पना की गई है। इस नीति की मुख्‍य विशेषताएं निम्‍नवत हैं:

1. जैव ईंधनों का “बुनियादी जैव-ईंधनों” तथा “उन्‍नत जैव-ईंधनों” के तौर पर वर्गीकरण,
2. प्रोत्‍साहनों, कुल खरीद गांरटी तथा उन्‍नत जैव-ईंधनों के लिए व्‍यवहार्यता में कमी संबंधी निधीयन,
3. एथेनॉल के उत्‍पादन के लिए बी-शीरा, गन्‍ने का रस, क्षतिग्रस्‍त खादयान्‍नों और अधिशेष खाद्यान्‍नों की अनुमति देना,
4. गैर खाद्यय तिलहनों, प्रयुक्‍त रसोई तेल, अल्‍प आवधिक फसलों, आदि से जैव-डीजल उत्‍पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाना, तथा
5. जैव-ईंधनों के संबंध में संबंधित सभी मंत्रालयों/विभागों की भूमिकाएं और जिम्‍मेदारियों को परिभाषित करते हुए प्रयासों के बीच तालमेल।

(ग): आईओसीएल के आरएंडडी केन्‍द्र, फरीदाबाद में उन्‍नत जैव-ऊर्जा अनुसंधान केन्‍द्र डीबीटी-आईओसी ने पिछले पांच वर्षों के दौरान जैव-ईंधनों के अनुसंधान और विकास पर 1978.19 लाख रुपए खर्च किए हैं। बीपीसीएल ने वर्ष 2014-15 से 2018-19 की अवधि में 1228 लाख रुपए खर्च किए हैं। एचपीसीएल ने भी पिछले पांच वर्षों के दौरान 2850 लाख रुपए खर्च किए हैं।

(घ): तेल विपणन कंपनियां (ओएमसीज) विभि‍न्‍न लिग्‍नोसैल्‍यूलॉसिक बायोमॉस से एथेनॉल का उत्‍पादन करने के लिए ग्‍यारह राज्‍यों में दूसरी पीढ़ी (2जी) एथेनॉल जैव-रिफाइनरियों की स्‍थापना कर रही हैं।

**\*\*\*\***